भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

Bharat Heavy Electricals Limited

Message from Chief Vigilance Officer

Vigilance Awareness Week provides an important opportunity to reaffirm our collective resolve to uphold the principles of integrity, transparency and accountability in every sphere of our work. The theme of this year's Vigilance Awareness Week, **"Vigilance: Our Shared Responsibility"** is a reminder that the strength of any organisation rests on the integrity of its people and the collective will to uphold ethical conduct in every decision, every transaction and every interaction.

For a large and dynamic organisation like BHEL, vigilance is not limited to checks and audits — it is a continuous process of introspection, accountability and improvement. It is about building a culture where honesty is second nature and transparency is embedded in our systems. When each of us assumes responsibility for our actions, vigilance becomes a habit instead of remaining an obligation— one that protects the credibility and reputation of the organisation. A vigilant organisation does not merely identify digressions; it anticipates and prevents them through disciplined execution and collective ownership.

At BHEL, we have been consistently strengthening our internal processes, leveraging technology for greater transparency and encouraging open communication to make vigilance an integral part of our organisational culture. Yet, the true success of these measures lies in how sincerely we implement them at every level. Each employee, irrespective of role or rank, contributes to the organisation's ethical framework through individual integrity and accountability.

As we observe Vigilance Awareness Week 2025, let us renew our commitment to uphold these values in spirit and action. Let vigilance not be seen as supervision, but as self-regulation — an ongoing journey toward improvement and trust. Together, through transparency and accountability, we can ensure that BHEL remains a model of integrity, strength and national pride.

(Shiv Pal Singh, IFS)
Chief Vigilance Officer

मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश

सतर्कता जागरूकता सप्ताह हमें अपने कार्यक्षेत्र के हर पहलू में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय, "सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी", हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी संगठन की ताकत उसके लोगों की ईमानदारी और हर निर्णय, हर लेनदेन और हर बातचीत में नैतिक आचरण को बनाए रखने की सामूहिक इच्छा पर टिकी होती है ।

बीएचईएल जैसे बड़े और गतिशील संगठन के लिए, सतर्कता केवल जाँच और ऑडिट तक सीमित नहीं है - यह आत्म-चिंतन, जवाबदेही और सुधार की एक निरंतर प्रक्रिया है। यह एक ऐसी संस्कृति बनाने के बारे में है जहाँ ईमानदारी सहज स्वभाव हो और पारदर्शिता हमारे सिस्टम में अंतर्निहित हो । जब हम में से प्रत्येक अपने कार्यों की ज़िम्मेदारी लेता है, तो सतर्कता एक दायित्व बने रहने के बजाय एक आदत बन जाती है-एक ऐसी आदत जो संगठन की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा की रक्षा करती है। एक सतर्क संगठन केवल विचलन (digressions) की पहचान नहीं करता; यह अनुशासित निष्पादन और सामूहिक स्वामित्व के माध्यम से उन्हें पहले ही चिह्नित कर देता है और रोक देता है ।

बीएचईएल में, हम अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं को लगातार मजबूत कर रहे हैं, अधिक पारदर्शिता के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक इस्तेमाल कर रहे हैं और सतर्कता को हमारे संगठन की संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने के लिए उन्मुक्त संवाद को बढ़ावा दे रहे हैं । फिर भी, इन उपायों की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम उन्हें हर स्तर पर कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं। प्रत्येक कर्मचारी, चाहे उसकी भूमिका या पद कुछ भी हो, व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा और जवाबदेही के माध्यम से संगठन के नैतिक ढाँचे में योगदान देता है ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाते हुए, आइए हम इन मूल्यों को हृदय से अपनाने और अपने आचरण से प्रदर्शित करने का पुनः संकल्प लें । सतर्कता को पर्यवेक्षण के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-नियमन के रूप में देखा जाना चाहिए - सुधार और विश्वास की दिशा में एक निरंतर यात्रा । पारदर्शिता और जवाबदेही के माध्यम से, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि बीएचईएल सत्यनिष्ठा, शक्ति और राष्ट्रीय गौरव का एक आदर्श बना रहे ।

Shi

(शिव पाल सिंह, भा.व.से.)
मुख्य सतर्कता अधिकारी